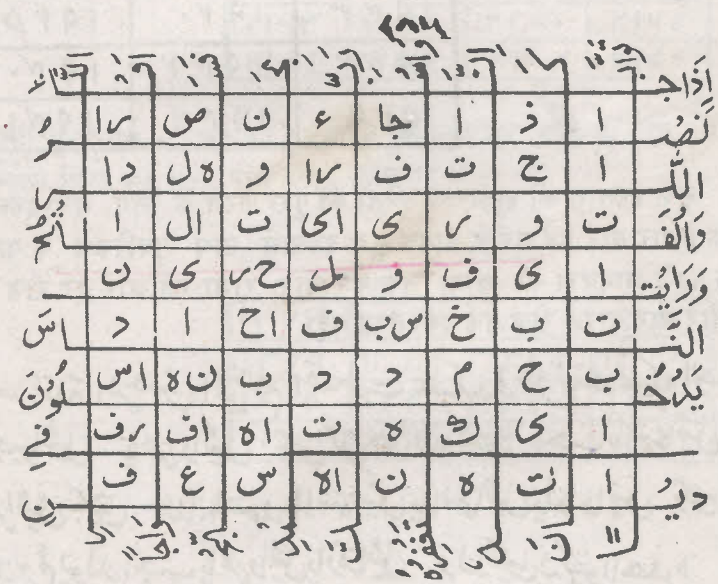
۷۸۶

۱۴۵	۹۴۰	۴۹۲
۹۴۶	۹۴۴	۱۴۳
۹۴۱	۹۱۵	۹۴۲

सूर: नस्र की ख़ूबी - जब कोई दुश्मन हर वक़्त सताता और परेशान करता हो सूर: नस्र को एक हज़ार एक बार पढ़। दुश्मन पर फ़तह पाए और नक़्श इज़ाजाअ को ज़र्द कपड़े पर साए उतारूद में हफ़्ते के दिन में लिखे और टोपी में रखे अपने दुश्मनों पर ग़ालिब रहे। नक़्श मुकर्रम व मुअज़्ज़म यह है—



तीसरा बाब

ख़ूबियां व फ़ाइदा मक़तआत क़ुरआनी व इस्मआज़म व सात शक्लों में शामिल ऊपर पन्द्रह फ़स्लों के

फ़स्ल अव्वल ख़ूबियां मक़्तआत क़ुरआनी में—जो कोई हुरूफ़ मक़्त-आत क़ुरआनी को काग़ज़ पर लिख कर अपने पास रखेगा या चांदी पर कुंदा कराके पहनेगा उसके रिज़्क़ में बरकत होगी और उसके दुश्मन का सिर नीचा रहेगा और हाकिम के ज़ुल्म से महफ़ूज़ रहेगा, बुरी नज़र से महफ़ूज़ रहेगा, बुरी नज़र और सिहर से बचा रहेगा । वह यह हैं—

الٓمٓ ، الٓمٓ ، الٓمٓصٓ ، الٓرٰ ، الٓرٰ ، الٓرٰ ، الٓمٓرٰ ، الٓرٰ الٓرٰ كٓهٰيٰعٓصٓ
طٰهٰ طٰسٓمٓ طٰسٓ طٰسٓمٓ الٓمٓ الٓمٓ الٓمٓ يٰسٓ صٓ حٰمٓ حٰمٓ
عٓسٓقٓ حٰمٓ حٰمٓ حٰمٓ قٓ نٓ.

और जिस को मिर्गी हो पढ़ कर उसके कान में दम करे, सेहत होगी, जिस औरत का हमल गिर पड़ता हो चांदी की तख़्ती पर कुंदा कराके उसके गले में डाले हमल न गिरेगा उसके फ़ायदे बहुत हैं इस मुख़्तसिर में गुंजाइश नहीं । जिनके पास ये होंगे वह अजाइब व ग़राइब देखेगा और यह कि हुरूफ़ मक़्तआत क़ुरआनी को माह रजब की नौचंदी जुमरात को चांदी पर कुंदा कराके अंगूठे पर रख कर पहने । हाकिम ज़ालिम के ज़ुल्म से बचा रहेगा और हर दिल अज़ीज़ होगा । वह यह हैं--

الٓمٓ الٓمٓ الٓمٓصٓ الٓمٓرٰ كٓهٰيٰعٓصٓ طٰهٰ طٰسٓمٓ طٰسٓ يٰسٓ
عٓسٓقٓ قٓ نٓ ۔